CELEBRATING

★★★★ 25TH ★★★★

FOUNDATION DAY

Estd- 7th Nov, 1994

Silver Jubilee Year

2018-2019

IPS ACADEMY, INDORE

www.ipsacademy.org

Welcome To Digital World Of Ips Academy

DESIGNED BY
NITIN
PATIDAR

EDITED BY
ABHISHEK
PANDEY

Silver Jubilee Year 2018-2019
IPS ACADEMY, INDORE

IPSA TIMES

Total Pages : 7 Volume : 5 2019 Free Distribution

आईपीएस एकेडमी को बेस्ट परफॉर्मेंस इंस्टिट्यूट अवार्ड से नवाजा गया

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एकेडमी को टॉप पांच परफॉर्मिंग आईसीसी में दिया स्थान

अभय शुक्ला
BAMC- 5th sem

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आईपीएस एकेडमी को बेस्ट परफॉर्मेंस इंस्टिट्यूट अवार्ड से नवाजा गया। देशभर के 950 संस्थान जिसमें आईआईटी और एनआईटी भी शामिल है इसमें आईपीएस एकेडमी को टॉप 25 वे परफॉर्मिंग आईआईसी में स्थान मिला है। पिछले माहआईसीआई आई हेड क्वार्टर ऑडिटोरियम दिल्ली में एमएचआरडी मिनिस्टर रमेश पोखरियाल निशांक और राज्यमंत्री धोत्रे संजय शामराव ने यह सम्मान दिया इस समारोह में डॉ अनिल डी सहस्त्रबुद्धे चेयरमैन एआईसीपीआई एमपी पूनिया वाइस चेयरमैन एआईसीटीई डॉ डी.पी. सिंह अध्यक्ष यूसीजी आदि मौजूद रहे।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने देश भर में कुछ चुनिंदा इंस्टिट्यूट को आईसीसी का दर्जा दिया है यह इंस्टिट्यूट अपने यहां बच्चों में आंत्रप्रेन्योरशिप को प्रोत्साहन देने के लिए अग्रणी भूमिका निभाते हैं। संस्थान के अध्यक्ष आर्किटेक्ट अंचल चौधरी ने बताया कि यह अवार्ड हमारे आंत्रप्रेन्योरशिप की दिशा में किए कार्यों की सराहना पर मोहर लगाता है, संस्था के प्राचार्य डॉ अर्चना कीर्ति चौधरी ने बताया कि संस्था में कई बच्चे अपने स्टार्टअप डालने की राह पर चल रहे हैं। संस्था के इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड साइंस इंदौर के आईआईसी प्रभारी प्रोफेसर रमेश दुबे ने कहा कि संस्था के विद्यार्थी स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन में अव्वल आने के साथ ही सिंगापुर इंडिया हैकेथॉन में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

CHIEF MINISTER OF MADHYA PRADESH, MR. KAMAL NATH PRESENTING THE DB EMINENCE AWARD

मुख्यमंत्री द्वारा भास्कर एमिनेंस अवार्ड से सम्मानित एकेडमी के चेयरमैन अचल चौधरी सर

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के मामले में आईपीएस एकेडमी ने एक बार फिर बाजी मारी है, मध्य प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ते हुए आईपीएस एकेडमी ने यह अवार्ड हासिल किया है, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कार्यक्रम के दौरान करीब 21 उद्योगपति, व्यवसायी व विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले सर्वश्रेष्ठों को दैनिक भास्कर एमिनेंट अवार्ड 2019 को अवार्ड देकर सम्मानित किया। इसमें शिक्षा, कोचिंग, रियल स्टेट, कॉलोनाइजर, एनीमेशन आदि के क्षेत्र में बेहतर कार्य प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को यह अवार्ड दिया जाता है

भास्कर द्वारा आयोजित इस समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने संस्था के अध्यक्ष आर्किटेक्ट अचल चौधरी को यह अवार्ड देते हुए कहा की प्रदेश ही नहीं देश भर के लिए गर्व की बात है कि ऐसे संस्थान हमारे प्रदेश में संचालित हैं जो कि कम समय में अधिक उपलब्धि हासिल कर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए तत्पर कार्य करने और हर संभव मदद करने की बात कही है।संस्था के अध्यक्ष आर्किटेक्ट अचल चौधरी ने कहा कि उनके लिए यह गर्व की बात है कि ऐसे बेहतर संस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, यह अवार्ड किसी एक दिन की मेहनत नहीं बल्कि बरसों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समस्त आईपीएस परिवार की उपलब्धि है, उन्होंने कहा कि यह अवार्ड हमारे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना पर मोहर है यह अवार्ड हमें और भी तत्पर एवं लगन शील होकर कार्य करने की शक्ति देता है।

बच्चे, बुजुर्ग और भारतीय संस्कृति

अभिषेक पाण्डेय
BAMC 3rd SEM

आज घरों में बच्चे, बुजुर्ग और भारतीय संस्कृति यह तीनों विपरीत दिशाओ मे जाती नज़र आरही है और इन तीनो को एकत्र रखना भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना माना जाएगा। जैसा की हम देख सकते हैं वर्तमान में हमारे आसपास, कॉलोनियो में, समाज में, बच्चों को बुजुर्गो से कई प्रकार से दूर रखा जाता है जैसे बच्चों को पढ़ाई के लिए कही बाहर या विदेश भेज दिया जाता है, कहीं जगह तो बुजुर्गो घर मे अकेले छो सभी लोग कही और जगह रहने चले जाते है या बुजुर्गो को वृद्ध आश्रम में छोड़ दिया जाता है। इस सब कारणों से आज के बच्चे भारतीय संस्कृति से परे होते जा रहे है |आज के बच्चों को आधुनिक सुविधाओं का आदि बना दिया गया है। बच्चों पर बुजुर्गो का आशीर्वाद बना रहे या बच्चे अपने पूज्य दादाजी और दादीजी के समक्ष रहे तो वे बच्चे भारतीय संस्कृति के बहुत ही नज़दीक रहेंगे। बुजुर्गो के प्रति यह व्यवहार शहरो में ज्यादा नज़र आता है। शहरों में कई जगह तो बच्चे बुजुर्गो के प्रति अपमानित भवनाओं से पेश आते है क्योंकि जो बच्चे इस प्रकार पेश आते है उनके माता पिता का भी बुजुर्गो के प्रति वही व्यवहार होगा। बुजुर्गो और बच्चों के बीच जो प्यार एवं स्नेह का व्यवहार है वो हमे गांव और पिछड़े इलाकों जहाँ सभी लोग ज़मी से जुड़े होते है वहीं दिखाई देता है। असल मे देखा जाए तो वहीं लोग ज्यादा साक्षर माने जा सकते है और वहीं लोग भारतीय संस्कृति के नज़दीक रहते क्योंकि उन बच्चों को अपने दादाजी और दादीजी से उस प्रकार का ज्ञान प्राप्त है। शहरों में ठीक इसके विपरीत दशा दिखाई पड़ती है क्योंकि वहां के बच्चों को न ही कोई त्योहार का पूर्ण ज्ञान होता है न ही कोई संस्कृति कार्य मे रुचि रहती है। आज के बच्चों पर शिक्षा का अत्यंत दबाव के चलते वे बच्चे अपने घर के मनोरंजन और अपने घर के बुजुर्गो का प्यार किताबो तले दबाते जा रहे है। कहीं तो अत्यधिक और आधुनिक शिक्षा ही बच्चों को घर के बुजुर्गों से और भारतीय संस्कृति से पढ़ाई के बहाने दूर करते जा रहीं है। आज से कुछ समय पहले हर एक विद्यार्थी प्रत्येक परीक्षा पश्चात ग्रीष्म ऋतु अवकाश मनाने अपने ननिहाल जाते थे, जहाँ अपने नाना नानी से कई ज्ञान की बाते होती थी था पुरातन संस्कृति से बच्चों का परिचय होता था परंतु आज वे शिक्षा के बोझ में उन सब चीजों से वंचित रहते जा रहे है, ठीक इसी प्रकार त्योहारों पर भी अत्यधिक अवकाश मिलने पर अपने दादाजी रहते जा रहे है, ठीक इसी प्रकार त्योहारों पर भी अत्यधिक अवकाश मिलने पर अपने दादाजी दादीजी से उस त्योहार के विषय मे दादाजी दादीजी से उस त्योहार के विषय मे विस्तृत जानकारियां प्राप्त करते थे जिसमें दादाजी दादीजी का भी मनोरंजन होता था परन्तु अब यह ज्ञान आधुनिक तकनीक तले दबे चुका है। पहले बच्चे और आज भी कई इलाकों में बच्चे रोज़ अपनी पाठशाला खत्म कर अपने दादाजी दादीजी तथा माता पिता के समक्ष कई प्रकार के ज्ञान का आदान प्रदान करते थे और करते है, और कई प्रकार के खेल भी खेले जाते थे और है परंतु शहरों में यह सब मनोरंजन उच्च शिक्षा बोझ और यातायात बोझ तले दब चुका है। आज शहरों में कई घर ऐसे है जहाँ बुजुर्गो की अत्यंत कमी खलती है क्योंकि जिस घर मे बुजुर्ग होते है। उस घर मे टी.वी, मोबाइल आदि जैसे यन्त्र ज्यादा उपयोगिक नही रहते है क्योंकि उन घरों में बुजुर्ग और बच्चों के बीच इतना ठोस तालमेल रहा है जिसे कोई दूर नही कर सकता जिन घरों में बुजुर्ग रहते है उन घरों में बच्चे टी.वी और मोबाइल से ज्यादा अपने पूज्य दादाजी दादीजी द्वारा कहानियों और कई के बैठक खेलों में अपना समय व्यतीत करते है। जो कि उन बच्चों के लिए सेहत मन्द हो सकता है।यह विषय समाज के लिए चिंताजनक है कृपया इस विषय पर विचार करे और सुधार के प्रयत्न करें।

.कवि क्षितिज
BAMC 1ST SEM

वो कोई कामयाबी नहीं जो बिना काम के मिली हो वो कोई खुशी नहीं जो खुशी खुशी मिली हो मेहनत वहीं जिसमें हम सोए पूरी रात नहीं वो बात ही क्या जिसमें कोई बात नहींवो ज़िन्दगी बेकार है जिसमें अड़चने ना हो वो अड़चने बेकार है जो बड़ी न हो और वो बड़ी बेकार है जिसमें खुशी न हो और वो खुशी तो बेकार ही है जो खुशी खुशी मिली हो बुलंद रहो जबतक सुधरते अच्छे हालत नहीं वो बात ही क्या जिसमें कोई बात नहीं वो जीत ही क्या जिसमें ज़िद न हो वो ज़िद ही क्या जो तुम्हारी ज़िन्दगी न बनाए और वो ज़िन्दगी ही क्या जो तुमने न बनाई हो अरे वही करो जो तुम्हे भाता नहीं वो बात ही क्या जिसमें कोई बात नहीं

अहिंसा के 150 साल

आयुष त्रिवेदी
BAMC 1ST SEM

यह दुनिया ऐसी कभी ना होती अगर यह महामानव इस धरती पर ना आए होते, ना होती इंसानियत के मायने, ना होते जिंदगी के ऐसे मायने, ना होती सोच ऐसी और ना ही ऐसी संवेदना। यह कहानी किसी इंसान की नहीं है बल्कि 150 साल पहले बने इतिहास की है और ऐसा इतिहास जो कभी अतिथ ही नहीं हुआ। यह कहानी सियासत के सबसे बड़े संत की है यह कहानी सबसे प्यारी आंधी की है, हमारे महात्मा गांधी की है। कुछ कर्जो की अदायगीया कभी मुनासिब नहीं होती हम कभी उऋण नहीं हो पाते और नाही होना चाहते हैं लेकिन एक ऐसा ही खूबसूरत कर्ज़ इस दुनिया पर चढ़ा था साल 1869 में। 2 अक्टूबर 1869 को एक मां ने अपने वंश का चिराग देखा था लेकिन उस चिराग को तो पूरी दुनिया को रोशन करना था। 4G 5G पर मचलती दुनिया की विनाशकारी उत्पत्तिओं की आपदा में अपने आप में खोज तो नहीं बन रहे गांधी। अगर गूगल पर आप सर्च करेंगे तो गांधी के नाम का 21 करोड़ 40 लाख पन्नों का साम्राज्य आ जाता है आइंस्टाइन ने सच ही कहा था कि आने वाली नस्लें या भूल जाएंगे कि दुनिया में शायद ही कोई ऐसा फकीर आया था। गांधी स्वतंत्रता के सूत्रधार थे लेकिन इससे बहुत आगे का सच है कि गांधी नेतृत्व की सफलतम पाठशाला थे। इस देश ने पहली और आखरी बार जाना है कि बिना किसी को तोड़कर जोड़ा भी जा सकता है, अन्याय का विरोध करने के लिए उस भावुकता को हथियार बनाया जिसे दुनिया पहले कमजोरी समझती थी। रौलट एक्ट के खिलाफ गांधी ने अपील ही तो की थी कि सारे स्कूल, कॉलेज, कारखाने बंद हो गए उस वक्त नैतिक बल के दम पर गांधी जी ने वक्तैतिक बल के दम पर गांधी जी ने दुनिया को न चकित कर दिया था। कदम से कदम मिलाकर चलना इस देश ने गांधी से ही सीखा है , उनके अनुसार प्रजा तब तक ही गुलाम रह सकती है जब तक प्रजा राजा की अनुयाई हो। गांधी ने बताया कि बटे हुए लोग बटी हुई भाषाओं से काम नहीं चलेगा, सवर्णो को अपनी श्रेष्ठता छोड़नी होगी, सूत्रों को तिरस्कार छोड़ना होगा। गांधी का अखंड जीवन संघर्ष में ही बीता गांधी बापू हो चुके थे उनकी सांसे देश का भाग्य लिख रही थी वे इस बात की जिम्मेदारी समझते थे लगातार संघर्ष और 1942 में जब गांधी ने निर्णायक लड़ाई छेड़ी करो या मरो उस वक्त उन्होंने आजादी की नींव रखी और देखते ही देखते यह विश्व का सबसे बड़ा आंदोलन बन गया, विदेश की धरती से सुभाष चंद्र बोस ने गांधी को राष्ट्रपिता कहा। सन 1948 में गांधी की हत्या के साथ ही दुनिया की एक शांत और प्यारी आंधी का अंत हो गया। यह इस मुल्क का मुकद्दर है कि यहां गांधी पैदा हुए।

Former Union Minister Yashwant Sinha's brief speech on Indian economy

The need of the hour is to increase the demand, which has caused unprecedented slowdown in the state. The simple solution is to reduce the cost of capital. At this time the rate of inflation is very low and hence there is no problem in losing interest rate" said Former Union Finance Minister Mr. Yashwant Sinha at Institute of Business Management and Research (IBMR) and Institute of Engineering and Services (IES) IPS. The academy expressed in the Karyakaram organized under the joint aegis of Indore. The program commenced with wreaths and lamp lighting at the Saraswati statue. Shri Yashwant Sinha said that the merger decision of banks is correct but this decision has not been taken at the right time. Because of this, the maximum time of employees will be spent in administrative work, whereas the need is that banks should make effort to accelerate the economy. Expressing his opinion on the decision of demonetisation, Sinha said that its main objective was to curb black money. The government

... existing in the economy will not be returned. But about 99.3 percent of the money was returned to the banks, rendering its main objective fruitless.Answering a question about the Reserve Bank of India, he said that due to several steps of the government, a serious question mark has been placed on the autonomy of the bank which is not in the interest of the country in any way. The President of the Academy Mr. Achal Chaudhary said that at present changes are taking place in every field at a rapid pace. Our success depends on how quickly and well we imbibe those changes. On the occasion of Engineers Day Mr. Sinha garlanded the statue of Bharat Ratna Sir Mokshagundam Visvesvaraya and honored Dr. AN Patel, Senior Professor in subject of Civil Engineering.IES Director Dr. Archana Kirti Chaudhary highlighted the importance of Engineers Day Dr. S.L. kaale IPS Introduced the Academy. A vote of thanks was given by Dr. Satyakam Dubey. Dr. Vivek Singh Kushwaha, Director of the organization welcomed the guests. On this occasion, the management members of the organization, Mr. Rajesh Chaudhary, Dr. Kapur, Dr. Anil Kothari. Dr. ML Sharma, and several heads of departments, professors were present.The ceremony was conducted by student Muskan Barkia and Mayur Pillai.

CIVILIPSA organized National Seminar SRUJAN 2019

Vivek Kuthey
Gaurav Sharma
Rahil Mirza

Infrastructure Projects in India" is a sizzling theme in these times of modern architectural and civil engineering awe inspiring structures. These projects very rightly attract a major part of country's budget as development of infrastructure plays a crucial role in the development of Nation. Civilipsa's one week seminar SRUJAN 2019 (14-19 Oct., 2019) is inaugurated. This is the eleventh year of Srujan and silver jubilee year of IPS Academy. Around 500 students of various institutes were present in the seminar. The event was illuminated by the presence of honorable guests Dr. A.N. Patel and Dr. H.S. Moondra. Principal Dr. Archana Keerti Chowdhary told that this one week national seminar will provide attitude in the field of Infrastructure Development which helps to cultivate the Nation. Dr. A.N. Patel, Emeritus Professor SGSITS Indore emphasized on real-life problems related to the civil engineering field using examples which students were able to relate to easily. Dr. H.S. Moondra, Emeritus Professor BITS Pilani enlightened the significance of innovations and also talked about how to transform young ideas into revolutions. He also stressed on the importance of all the subjects of civil engineering stating applications of each and how they can contribute to beautiful innovations and unbelievable designs.The seminar unfolded various events like Instridge, Start-ups, Case Study, Panel Discussion, Treasure Hunt & Plantech. While the event Instridge involved students making models of bridges using popsticks to be tested by applying load, the event Plantech saw students competing each other by making

plans for residential buildings. Students also presented various mind blowing ideas which have the potential to be commercialized in the event. Start-ups and informative discussions were held between students and experts Prof. R. B. Chaturvedi and Prof. Amit Sharma on crucial topics like Metro Rail, BRTS, Statue of Unity and many more.The event was further more lit up by the poster launch of Civilipsa's another annual event NEEV 2020, a national level paper presentation symposium. In the presence of all the faculties and students of Civilipsa, welcome speech was delivered by HOD, Prof. Swatilekha Guha and Prof. Lalitesh Sinha gave the vote of thanks. To motivate the students for their efforts they were awarded with certificates and success trophies at the valedictory function which was hosted by Prof. Pratyush Motwani and Prof. Anjuri Shrivastava.

ठंडे बस्ते में शिक्षा

ANJALI PATEL
BAMC 5th SEM

शिक्षा यह शब्द सुनने में तो बहुत ही छोटा है पर इसका अर्थ उतना ही बड़ा है बच्चे जन्म से ही शिक्षा लेता है वह परिवार से बाद में आस पास से पड़ोसियों से और समाज से फिर वह स्कूल जाना शुरू करता है और किताबी ज्ञान लेना शुरू करता है लेकिन वर्तमान में ऐसी स्थिति है कि मजबूत कड़ी कहीं जाने वाली शिक्षा व्यवस्था जो आज एक निम्न स्तर पर दिखाई दे रही हैं, साथ हीं शिक्षा क्षेत्र के उन समस्त चुनौतियों कि जिनके वजह से स्कूल में बैठें बच्चे शिक्षक की रहा देखने को मजबूर है। आज स्कूल में शिक्षकों की अनुपस्थिति और गिरता हुआ शिक्षा का स्तर ठंडे बस्ते में चला गया है, शिक्षा की इन समस्त चुनौतियों पर ना शासन ध्यान दे रहा, ना ही प्रशासन ध्यान दे पा रहा। शिक्षा एक ऐसा साधन है| जो राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में जीवंत भूमिका निभा सकता है, यह नागरिकों की विश्लेषण क्षमता के साथ-साथ उनका सशक्तिकरण भी करता है, साथ ही उनके आत्मविश्वास का स्तर बेहतर बनाता है, शिक्षा में केवल पाठ्यपुस्तक के लेखों को सीखना शामिल नहीं है बल्कि इसमें से मूल्य कौशल और क्षमता में वृद्धि की जा सकती है । यह बात किसी से छिपी नहीं है कि, शिक्षा भविष्य निर्माण और प्रगति मूल्यों के साथ-साथ एक नया समाज बनाने में बड़ी भूमिका निभाती है, खास बात ये है कि शिक्षा समाज में बदलाव लाने का कार्य किया करती है, शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य लोगों को शिक्षित करना मात्र नहीं है, बल्कि इसके कई और अहम फायदे हैं, हम इसके सहारे सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपट सकते है। संयुक्त राष्ट्र के अध्ययन के मुताबिक दुनिया भर में करीब 4 अरब लोग साक्षर हैं, तो दूसरी ओर आज भी 77 करोड से ज्यादा लोग निरक्षर हैं, साक्षरों की इस आबादी में दो तिहाई महिलाएं सामिल हैं, लगभग तीन चौथाई निरक्षर आबादी दुनिया के सिर्फ 10 देशों में रहती है। इसका मतलब यह है कि हर पांच में से एक व्यक्ति निरक्षर है, दुनिया के 35 देशों में आज भी साक्षरता दर 25 फ़ीसदी से कम है। विशेष तौर पर अगर हम भारत में साक्षरता दर की बात करें तो यह गत वर्ष अपने आंकड़ों में बढ़कर 74 फ़ीसदी पर पहुंच गई है, इसमें पुरुषों की साक्षरता दर जहां 82 फ़ीसदी रही वहीं महिलाओं की साक्षरता दर 65 फ़ीसदी थी, लेकिन अभी भी विश्व की औसत साक्षरता दर 84 फ़ीसदी से काफी कम है, यह ठीक है कि वर्तमान में स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति दर 75 फ़ीसदी ज़रूर है, लेकिन स्कूल छोड़ने वाले बच्चो की दर भी 40 फ़ीसदी तक पहुंच गई है।देश के ज्यादातर प्राथमिक स्कूलों के बुरे हाल हैं। इन स्कूलों की मुख्य समस्या विद्यार्थियों के अनुपात में शिक्षक का न होना है। अगर शिक्षक हैं भी, तो वे काबिल नहीं। शिक्षकों की तो बात ही छोड़ दीजिए, ज्यादातर स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं भी न के बराबर हैं। कहीं स्कूल का भवन ही नहीं है, अगर भवन हैं भी तो उसमे अन्य कई बुनियादी सुविधाएं ही नहीं हैं। और अगर यह सब कही हैं, तो वहां शिक्षक नहीं हैं। शिक्षा अधिकार अधिनियम के मुताबिक स्कूलों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सरकार द्वारा 2015 तक का वक्त तय किया गया था। गुणवत्ता संबंधी शर्तें पूरी करने के लिए 2017 तक की समय-सीमा रखी गई। परन्तु कानून के मुताबिक न तो स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, और न ही बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इससे समझा जा सकता है कि शिक्षा अधिकार अधिनियम को हमारी सरकारों ने कितनी गंभीरता से लिया है। राज्यो में शिक्षा का अधिकार लागू होने के पांच साल बाद भी शालाओं की बदहाली की कहानी यहीं नहीं रुकती। एक तरफ जहां शिक्षक विहीन विद्यालय हैं, वहीं लगभग 18 हजार विद्यालय ऐसे हैं, जो एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहीं अनुमानित 65 हजार विद्यालयों में तो महिला शिक्षक ही नहीं है। भारत में शिक्षा अभियानों से जुड़े बहुत से नीति-निर्माता ये मानते हैं, कि प्राथमिक शिक्षा की हालत में सुधार के लिए अभी भारत को आने वाले सालों में कठिन चुनौतियों का सामना करना है। चुकीं बचपन अमूल्य है और जीवन में कुछ प्रारम्भिक वर्षों के लिए ही यह प्राप्त होता है, इसलिए बस्ते का भार कम रखकर बच्चों को बचपन का आनंद लेने व सामाजिक विकास करने का पर्याप्त अवसर देना चाहिए। सरकारी विद्यालयों में सुधार व प्राथमिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए दो-आयामी रणनीति होनी चाहिए। समाज या राज्य अपना अधिकतम विकास करने में तभी सक्षम होगा, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता में वृद्धि कर पाएगा। और इन समस्त गतविधियों के साथ ही इन नवनिहलो का जीवन सुरक्षित हो सकता है।

स्वच्छ भारत स्वच्छ इंदौर

ABHAY SHUKLA
BAMC 5th SEM

लालकिले पर 2 अक्टूबर का वो दिन राष्ट्रपिता की 145 वीं जयंती के साथ साथ भारत के इतिहास का बहुत ही ख़ास दिन था।जी हाँ!अवसर था प्रधान सेवक द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत का जो की केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना में से एक है।मूल उद्देश्य इस अभियान का यही है कि दुनिया की नज़रों में भारत को एक स्वच्छ और स्वस्थ देश का तमगा दिलवाना और देश के 125 करोड़ भारतवासी को इस अभियान में शामिल कर एक राष्ट्रस्तरीय आंदोलन से जोड़ना।केंद्र सरकार की गन्दगी मुक्त भारत की यह संकल्पना बहुत अच्छी थी और शुरुआती प्रयास भी सराहनीय थे,पर बात सिर्फ आंदोलन की नहीं थी लोगो को जागरूक भी करना था,पुरानी आदतों को बदलना था लोगो को इस आंदोलन के प्रति गंभीर करना था,सरकार को बजट का भी ध्यान रखना था।तमाम तरह की कठिनाईया है पर देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने का सपना भी बहुत बड़ा है और लोगो से जोड़ने एवं जागरूक करने के लिए जिसका सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा वह है इंटरनेट,इसी के जरिये देश के नागरिकों को इस अभियान से अवगत कराना और बापू के सपने को साकार करना है,इन्टरनेट के द्वारा ही हम देश की गन्दगी से निपटने के लिए कारगर प्रयास कर पाए और कर भी रहे है प्रधानमंत्रीजी ने भी संबोधित करते हुए यही कहा था कि जहाँ भी गन्दगी है वहाँ की फोटो डाले एवं उस जगह को साफ़ करते हुए वीडियो भी पोस्ट करे उन्होंने शुरुआती दौर में ट्विटर पर सफाई के लिए बड़ी बड़ी हस्तियों के नाम भी नामांकित किये जिसके लिए ट्विटर हैंडल भी बनाया गया जिसे नाम दिया क्लीन इंडिया ट्विटर के साथ सारी साइटो पर इस अभियान को जोड़ा गया, यह सारी बात तो हो गयी संकीर्ण शुरुआत की अब हम बात करते है इंदौर शहर की जो की अपनी जन्मस्थली है, क्योंकि सफाई की बात हो और इंदौर का नाम ना आये यह तो नामुमकिन है, अजी यह तो वही बात हो जाती की आप भारतीय क्रिकेट कप्तानी की चर्चा कर रहे है और महेंद्र सिंह धोनी का आपने ज़िक्र नहीं करा इंदौर को भी इस आंदोलन में एक ऐसी ही कप्तानी भागीदारी का श्रेय जाता है अब जाये भी क्यों न और बात हो भी क्यों ना इंदौर ही एकमात्र शहर है जो अभियान शुरू होने के बाद लगातार दो बार नं.1 आया है और सर्वश्रेष्ठ कप्तान का ताज अपने शीश पहना है और इंदौर के नं.1आने का बहुत बड़ा योगदान जाता है इंटरनेट को,इन्टरनेट की ही बहुत अहम भागीदारी रही जो हम सर्वश्रेष्ठ चुने गए फिर वही बात आ गयी की आपने धोनी की कप्तानी की बात कर ली पर उनकी बल्लेबाजी और शांत स्वभाव का ज़िक्र ही नहीं करा इंदौर के ज्यादा से ज्यादा लोगो को इन्टरनेट से जोड़ा गया और सफाई को नैतिक मूल बनाने के लिए भरसक प्रयास किया गया,बहुत तरह के ऐप लॉन्च किए गए और उन एप पर आयी शिकायतों को जल्द से जल्द सुलझाना शुरू किया गया,धोनी के छक्के के जैसे तुरंत और गति के साथ कार्यवाई की गयी।

ग्रीन केमेस्ट्री: ओंनसेट ऑफ बेटर लिविंग

आईपीएस एकेडमी, इंदौर के सिल्वर जुबली ईयर के अवसर पर रसायन शास्त्र विभाग द्वारा "ग्रीन केमेस्ट्री: ओंनसेट ऑफ बेटर लिविंग" विषय पर एक अन्तराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। अतिथि श्री राम मोहन का स्वागत प्रचार्य डॉ प्रेमलता गुप्ता ने पुष्प गुच्छ भेंट किया।इस अन्तराष्ट्रीय सेमिनार में प्रमुख वक्ता अमेरिका की इलिनोइस वेसलियान विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम मोहन रहे। सेमिनार को सम्बोधित करते हुए डॉ राम मोहन ने बताया कि किस प्रकार ग्रीन केमेस्ट्री के उपयोग से मानवो को बेहतर जीवन हेतु सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण प्राप्त होता है। सेमीनार में विषय की गम्भीरता को प्रस्तुत करते हुए श्री राम मोहन ने पर्यवरण प्रदूषण के कारण विश्व में हुई विभिन्न त्रासदियों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। सिलिकोसिस नामक बीमारी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सिलिका डस्ट से होंने वाली इस बीमारी में भारत के एक करोड़ लोग प्रभावित है एवं अलीराजपुर एवं धार जिलों में पिछले कुछ महीनों में इस बीमारी के कारण 550 से ज्यादा लोगो की

मृत्यु हो गई। श्री मोहन ने बताया कि भारतीय जनता को जितना खतरा पाकिस्तान से नही है उससे कहीं ज्यादा खतरा पर्यावरण प्रदूषण से है। ग्रीन केमेस्ट्री को समझाते हुए श्री राम मोहन ने बताया कि यह 12 प्रिंसिपल पर आधारित है जिसका मुख्य उद्देश्य ऐसी तकनीकों का विकास करना जिससे कम कीमत पर सुरक्षित रसायन उपलब्ध हो सके। उन्होंने प्रयोगशाला में कम हानिकारक रसायनों का प्रयोग करने पर जोर देकर कहा कि इस तरह हम देश के करोड़ो रूपये बचा सकते है। प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण के बारे में चर्चा करते हुए श्री राम मोहन ने कहा कि 1950 से अब तक करीब 900 करोड़ टन प्लास्टिक उत्पादन हो चुका है जो कि बायोडिग्रेडेबल नही है और पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर रहा है। कीटनाशकों का प्रयोग पर वे कहते है कि देश मे कैंसर का सबसे कारण कीटनाशक ही है आप ने ऑर्गेनोफोस्फेट का उपयोग कम से कम करने पर जोर दिया। आभार रसायन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती रुचि श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया।

NITIN PATIDAR
BAMC 5th sem

Envisage 2019

IPS Academy, Institute of Engineering & Science, Department of Computer Science & Engineering, Indore is organizing “ENVISAGE-19” : A National Seminar on “Essential Attributes of good software Professionals” on 19th October, 2019.The keynote speaker of the program is Dr. E. Balagurusamy, Chairman of EBG Foundation, Coimbatore and the President of Coimbatore Academy of Sciences. Dr. E. Balagurusamy has authored 42 books and received 26 prestigious awards. He was formerly

Chairman of the Consortium for Educational Communications, New Delhi, Member of Union Public Service Commission, New Delhi, Vice Chancellor of Anna University, Chennai, IT Advisor of Government of Andhra Pradesh, Member of the Planning Commission, Tamil Nadu.

Lalit Chouhan
Aditya Malviya

150 वीं गांधी जयंती

150 वीं गाँधी जयंती के अवसर पर ICSR, IPSA ने विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया, जिसमे से प्रमुख प्लास्टिक मुक्त भारत की शपथ, जागरूकता रैली, पोस्टर मेकिंग, ब्लॉग राइटिंग, निबंध प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, कविता पाठ जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया. प्रेसिडेंट श्री अचल चौधरी के अनुसार आईपीएस अकादमी का प्रत्येक छात्र इस देश का एक अनमोल हिस्सा है, और उनके समाज के प्रति कुछ दायित्व है जिसकी पहल हम अपने घर से शुरू करते हैं, इसी भावना को रखते हुए हम

अकादमी में हमेशा कई प्रकार की गतिविधियाँ करवाते है. गाँधी जयंती एक राष्ट्रीय पर्व है, जिसे प्रत्येक भारत वासी को मिल कर मनाना चाहिए. क्योंकि गाँधी जी सदैव ही हमारे प्रेरणा स्त्रोत रहे है. उनके सिद्धांत छात्रों को प्रेरणा देते है

YASH SHARMA
BAMC 3rd SEM

COLOURS OF ETHNIC

Ethnic Represents colours of your long and cherished culture.On october 4, 2019 Mass communication students of IPS academy Indore celebrated Ethnic day with full of enthusiasm on the occasion of Navratri. Whole Mass communication Department turned out in Beautiful ethnic wear to celebrate this day.The celebration started with Saraswati Vandana and the energy was taken to the next level with amazing performance by the students. The day wouldn't be called as ethnic day ,if there weren't any ethnic performances,beautiful traditional dances and songs were sung by the students,adding to the programme marvelous standup comedy and Ramp walk was held. At last Prizes were also distributed by the

faculty of IPS .This cultural program came to an end with all the students and teachers dancing to the vibrating rhythm of Garba and DJ music. A wonderful Song performance was done by students of first year students and beautiful childhood dance performance was done Soumya Rao, Vani Gupta, Disha Tiwari.

ABHISHEK PANDEY
BAMC 3rd SEM

Celebrating 25 years of Excellence in Education

Teachers Day was celebrated in IPS Academy

Inauguration of IPS Academy, School of Architecture International Conference with the theme Revisiting Patrick Geddes - Welcoming Guests

On 15 October 2019, an Open mic session was held by ICSR/NSS, IPS Academy, where students welcomed people from old age homes and engaged them. The subject of Open Mic was global warming, water preservation and how the legacy given by the old can support nature. The old present in the program felt happiness and overlooking their distresses and sang melodies and moved in bliss, after several performances of poetry and magic

Inaugural Event"VAYAM - The Painting Exhibition 2019 Kala Srot Art Gallery, Lucknow UPChief Guest- Mrs. Sanyukta Bhatia, Mayor of Lucknow UP Honourable Guest- Mr. Sanjeev Kumar Gautam, Principal of Art College, Lucknow UP Distinguished Guest- Mrs. Pooja Sakera, Founder Chairman Mission Sashakt (Wife of IG UP Police) Organiser Artist NAVEENA GANJOO, HOD Painting, School of Fine Arts, IPS Academy Indore MP

A wonderful trip to Maheshwar was organized by Mass Communication Department.

Ethnic Day was Celebrated By Mass Communication in Navaratri.

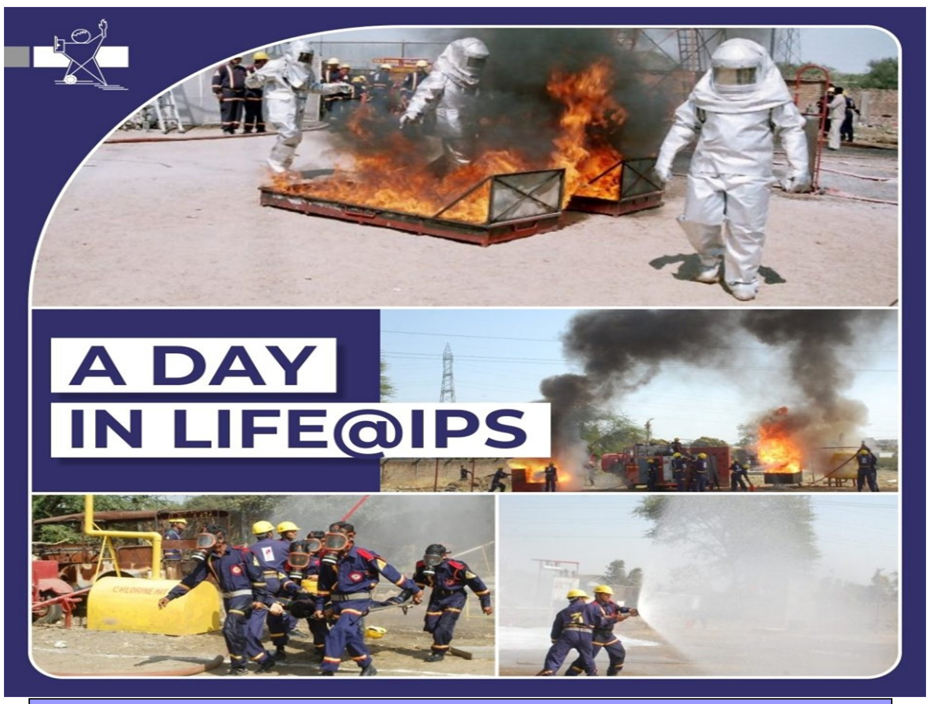

Dept. Of Fire Technology & Safety Engg. organized various demonstrational activities where students successfully demonstrated their knowledge and skills. Various activities organized were live fire entry, fire fighting operation of fire tender, chlorine gas leakage control and triple action branch demo.

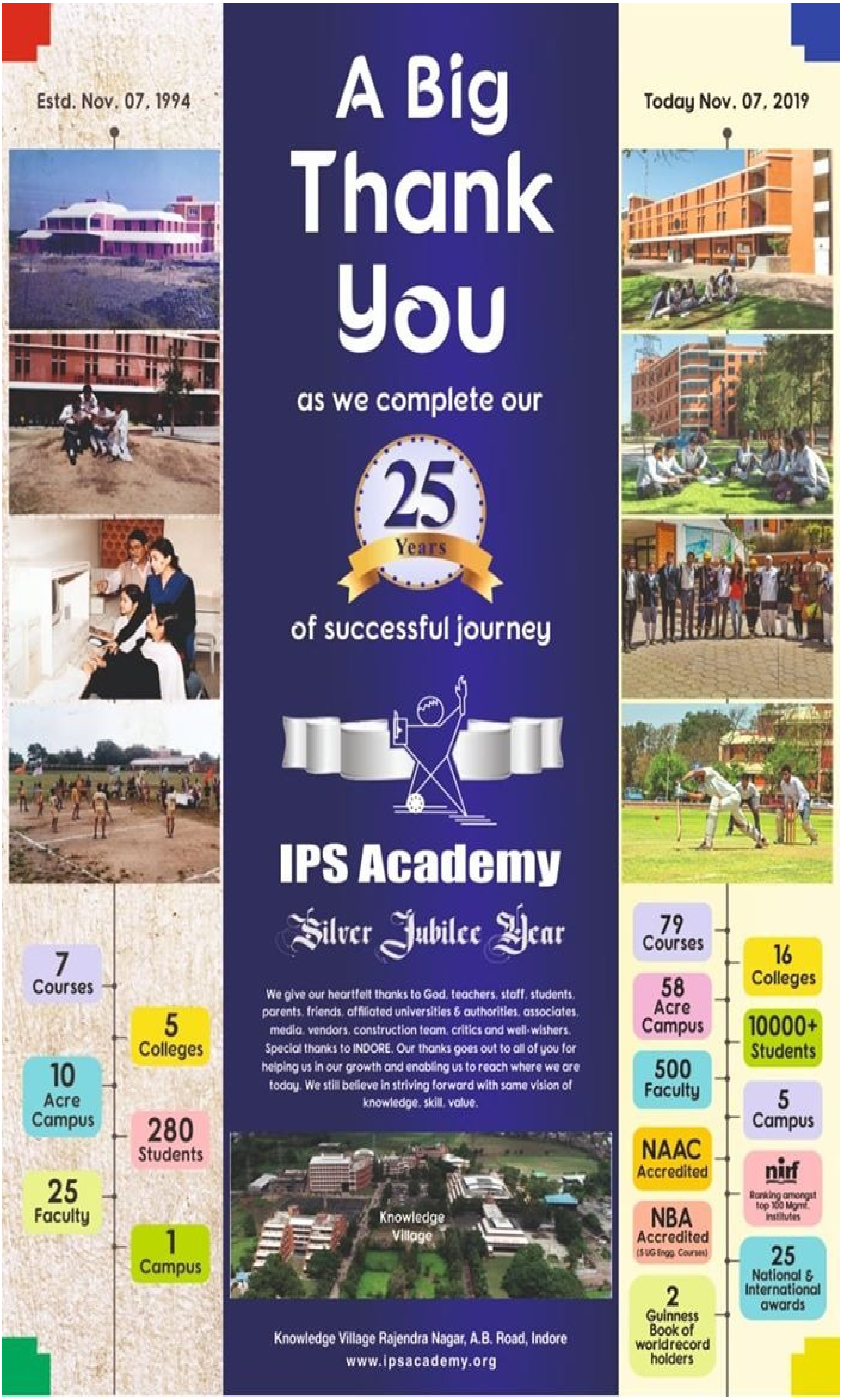

Published by Department of Journalism and Mass Communication, IPSA, Knowledge Village, Rajendra Nagar, Indore.
Editor: Prof Amin Qureshi Tel No 0731 4014599 Mobile No 8989898802 Email : hod.masscomm@ipsacademy.org
Published for Practical purpose only
DESIGNED BY NITIN PATIDAR
EDITED BY ABHISHEK PANDEY